NEXT IAS

दैनिक समसामयिकी विश्लेषण

समय: 45 मिनट

दिनाँक: 19-03-2025

विषय सूची

तेलंगाना में मुदुमल के खड़े अवस्था में स्थित पत्थर
भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी
मेकिंग अमेरिका ग्रेट अगेन (MAGA) का अमेरिका के बाहर प्रभाव
NBRI ने पिंक बॉलवर्म के प्रति प्रतिरोधी GM कपास विकसित किया

संक्षिप्त समाचार

रंगपंचमी
भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग
ऑनलाइन एश्योरेंस मॉनिटरिंग सिस्टम (OAMS)
प्रधानमंत्री युवा लेखक मार्गदर्शन योजना (YUVA)
मुक्त भाषण सर्वेक्षण में भारत 24वें स्थान पर
सतत् विकास बनाम पर्यावरण संरक्षण
स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन (NMCG)
विश्व का सबसे बड़ा श्वेत हाइड्रोजन भंडार
विक्रम और कल्पना: इसरो ने हाई-स्पीड माइक्रोप्रोसेसर विकसित किए
अभ्यास वरुण 2025

तेलंगाना में मुदुमल के खड़े अवस्था में स्थित पत्थर

संदर्भ

- हाल ही में, तेलंगाना के नारायणपेट जिले में स्थित मुदुमल के खड़े पत्थरों को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में जोड़ा गया है।

मुदुमल मेगालिथिक मेनहिर (खड़े पत्थर) के बारे में

- ये बड़े खड़े पत्थर (जिन्हें मेनहिर भी कहा जाता है) हैं, जिनमें से कुछ की ऊँचाई 10 से 14 फीट तक है, जिन्हें संभवतः प्रागैतिहासिक समुदायों द्वारा एक पैटर्न में व्यवस्थित करके खड़ा किया गया था।

  - कृष्णा नदी के तट के पास स्थित है।
- माना जाता है कि इन पत्थरों का उपयोग अंतिम संस्कार और खगोलीय प्रेक्षणों के लिए किया जाता था, जो प्रागैतिहासिक समुदायों द्वारा खगोलीय घटनाओं की उन्नत समझ को प्रदर्शित करता है।
- यह स्थल दक्षिण एशिया में महापाषाण परंपरा का एक महत्त्वपूर्ण अवशेष है, जो लगभग 3500 से 4000 वर्ष प्राचीन है।
- पुरातत्त्वविदों का सुझाव है कि ये महापाषाण 1000 ईसा पूर्व - 300 ईसा पूर्व के हैं, जो उन्हें दक्षिण भारत की लौह युग की संस्कृतियों के समकालीन बनाता है।

भारत में महापाषाण संस्कृति

- यह नवपाषाण और लौह युग के समाजों से जुड़ा है जो 1500 ईसा पूर्व और 500 ईसवी के बीच फले-फूले, विशेषकर दक्कन के पठार में।
- मुदुमल में खड़े पत्थर दक्षिण भारत के अन्य हिस्सों, जैसे कर्नाटक और केरल में पाए जाने वाले समान महापाषाण परंपराओं से सामंजस्यशील हैं।

भारत में अन्य समान स्थल

- **कर्नाटक में हायर बेनेकाल्लू (Hire Benekallu):** यह मेनहिर, डोलमेन्स और गुफा चित्रों के अपने व्यापक संग्रह के लिए उल्लेखनीय है, जिसने 2021 में यूनेस्को की संभावित सूची में स्थान अर्जित किया है।
- **कर्नाटक में विभूतिहल्ली:** इसमें पत्थरों का एक बड़ा आयताकार क्षेत्र है, जो रास्तों में व्यवस्थित है, जो सौर संरेखण को दर्शाता है।
- **तमिलनाडु में नीलगिरि डोलमेन्स:** इनमें डोलमेन्स, पत्थर के घेरे, सिस्ट और पेट्रोग्लिफ्स शामिल हैं।

अन्य वैश्विक स्थल

- इंग्लैंड में स्टोनहेंज और फ्रांस में कार्नाक पत्थर (इन्हें यूनेस्को द्वारा पहले ही मान्यता दी जा चुकी है)।
- सबसे बड़ा ज्ञात मेनहिर फ्रांस में ग्रैंड मेनहिर ब्रिसे है, जो कभी 20.6 मीटर ऊँचा था।

मुदुमल मेनहिर का महत्त्व

- **खगोलीय महत्त्व:** इन मेनहिरों को संक्रांति और विषुव जैसी खगोलीय घटनाओं के साथ संरेखित करने के लिए सावधानीपूर्वक रखा जाता है।
- **सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रासंगिकता:** एक विशेष मेनहिर की पूजा देवी येल्लम्मा के रूप में की जाती है, और इस स्थान को स्थानीय रूप से 'निलुरल्ला थिमप्पा' (खड़े पत्थरों के थिमप्पा) के रूप में जाना जाता है।

यूनेस्को मान्यता का मार्ग

- मुदुमल के खड़े पत्थरों को यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल करना पूर्ण विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त करने की दिशा में प्रथम कदम है। आगामी चरण में शामिल हैं:

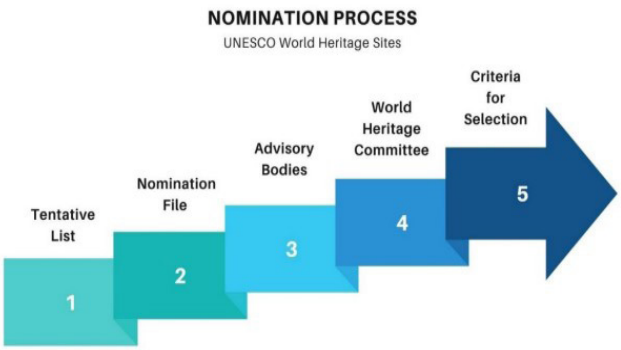

- **विस्तृत दस्तावेज़ीकरण और अनुसंधान:** आगे के पुरातात्विक और ऐतिहासिक अध्ययन नामांकन प्रक्रिया को मजबूत करेंगे।
- **सरकार और सार्वजनिक समर्थन:** भारत सरकार को विरासत संरक्षण निकायों के साथ मिलकर इसकी मान्यता के लिए सक्रिय रूप से प्रयास करना चाहिए।
- **यूनेस्को मूल्यांकन:** विशेषज्ञ अंतिम निर्णय लेने से पहले साइट के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मूल्य का आकलन करेंगे।

Source: TH

भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी

समाज

- राजेश्वरी देशपांडे का अध्ययन, 'भारतीय चुनावों में महिला निर्वाचन क्षेत्र का आकार: NES डेटा से साक्ष्य' भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का विश्लेषण करता है।

अध्ययन की प्रमुख विशेषताएँ

- **मतदान व्यवहार और एजेंसी:** महिलाओं के मतदान पैटर्न और विकल्पों को प्रायः अनदेखा कर दिया जाता है, राजनीतिक दल उन्हें एक समरूप समूह के रूप में देखते हैं और जाति, वर्ग एवं धर्म जैसे कारकों पर विचार नहीं करते हैं।
- **कल्याण कार्यक्रम:** राजनीतिक दल प्रायः महिलाओं को उज्ज्वला और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों के निष्क्रिय लाभार्थियों के रूप में पेश करते हैं, जिससे उनकी आश्रित छवि मजबूत होती है।
- **मतदान बनाम राजनीतिक शक्ति:** मतदान में वृद्धि के बावजूद, महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी मतदान से परे सीमित है।
    - महिलाएँ रैलियों, अभियानों और नीति समर्थन जैसे अन्य राजनीतिक भागीदारी के रूपों में पुरुषों से पीछे हैं, सामाजिक और संरचनात्मक बाधाओं का सामना कर रही हैं।
- **पुरुष प्रवास का प्रभाव:** बड़े पैमाने पर पुरुष प्रवास वाले राज्यों में, महिलाओं के मतदान में वृद्धि हुई है, विशेषकर सामाजिक और आर्थिक रूप से 'पिछड़े' क्षेत्रों में।
- **राज्य-विशिष्ट मतदान पैटर्न:** मजबूत क्षेत्रीय दलों (जैसे, तमिलनाडु, केरल) वाले राज्यों में, महिलाओं की प्राथमिकताएँ राष्ट्रीय लिंग-आधारित प्रवृत्तियों के बजाय क्षेत्रीय आंदोलनों के साथ अधिक संरेखित होती हैं।

भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी

- कई देशों के विपरीत, जहाँ 1990 के दशक में राजनीतिक भागीदारी में लैंगिक अंतर कम होना प्रारंभ हुआ, भारत में यह बदलाव 2010 के दशक में ही देखा गया।
- 2019 के आम चुनावों में, महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं की संख्या से थोड़ी अधिक रही, जिसमें महिलाओं की संख्या 49.5% थी।
- 2024 के लोकसभा चुनावों में, महिलाओं का मतदान प्रतिशत (65.8%) पुरुषों (65.6%) की तुलना में थोड़ा अधिक था।
- महिलाएँ, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, राजनीतिक रूप से अधिक जागरूक, सक्रिय और गाँव-स्तर के निर्णय लेने में शामिल हो रही हैं।

वैश्विक लक्ष्य

- 2030 तक सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने के लिए राजनीति में महिलाओं की समान भागीदारी और नेतृत्व महत्त्वपूर्ण है।
- SDG5 लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित है।
- बीजिंग घोषणापत्र और कार्रवाई के लिए मंच में निर्णय लेने में महिलाओं एवं पुरुषों के बीच संतुलित राजनीतिक भागीदारी और सत्ता का बंटवारा एक प्रमुख लक्ष्य है।

महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को प्रभावित करने वाले कारक

- **सामाजिक-सांस्कृतिक मानदंड:** पारंपरिक लैंगिक भूमिकाएँ और सांस्कृतिक अपेक्षाएँ अक्सर महिलाओं की सार्वजनिक एवं राजनीतिक भागीदारी को सीमित करती हैं।

- **शिक्षा और साक्षरता:** उच्च साक्षरता दर और शिक्षा का स्तर महिलाओं को राजनीति में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सशक्त बनाता है।
- **आर्थिक स्वतंत्रता:** महिलाओं की कार्यबल भागीदारी और आर्थिक स्वतंत्रता उनकी राजनीतिक एजेंसी को बढ़ावा दे सकती है।
- **जाति, वर्ग और धर्म:** महिलाओं की राजनीतिक पसंद उनकी जाति, वर्ग और धार्मिक पहचान से प्रभावित होती है, जो उनके मतदान व्यवहार एवं पार्टी संबद्धता को प्रभावित करती है।
- **राजनीतिक पार्टी की रणनीतियाँ:** लक्षित नीतियों या कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के साथ राजनीतिक दलों की पहुँच और जुड़ाव उनकी भागीदारी को प्रभावित करता है।
- **सामाजिक आंदोलन:** सामाजिक आंदोलनों और सक्रियता में महिलाओं की भागीदारी औपचारिक राजनीति में उनकी भागीदारी को मजबूत कर सकती है।
- **क्षेत्रीय और राज्य-विशिष्ट कारक:** स्थानीय दलों की क्षमता और राज्यों के विशिष्ट मुद्दों सहित क्षेत्रीय राजनीतिक संदर्भ महिलाओं के राजनीतिक व्यवहार को आकार दे सकते हैं।

उपाय किए

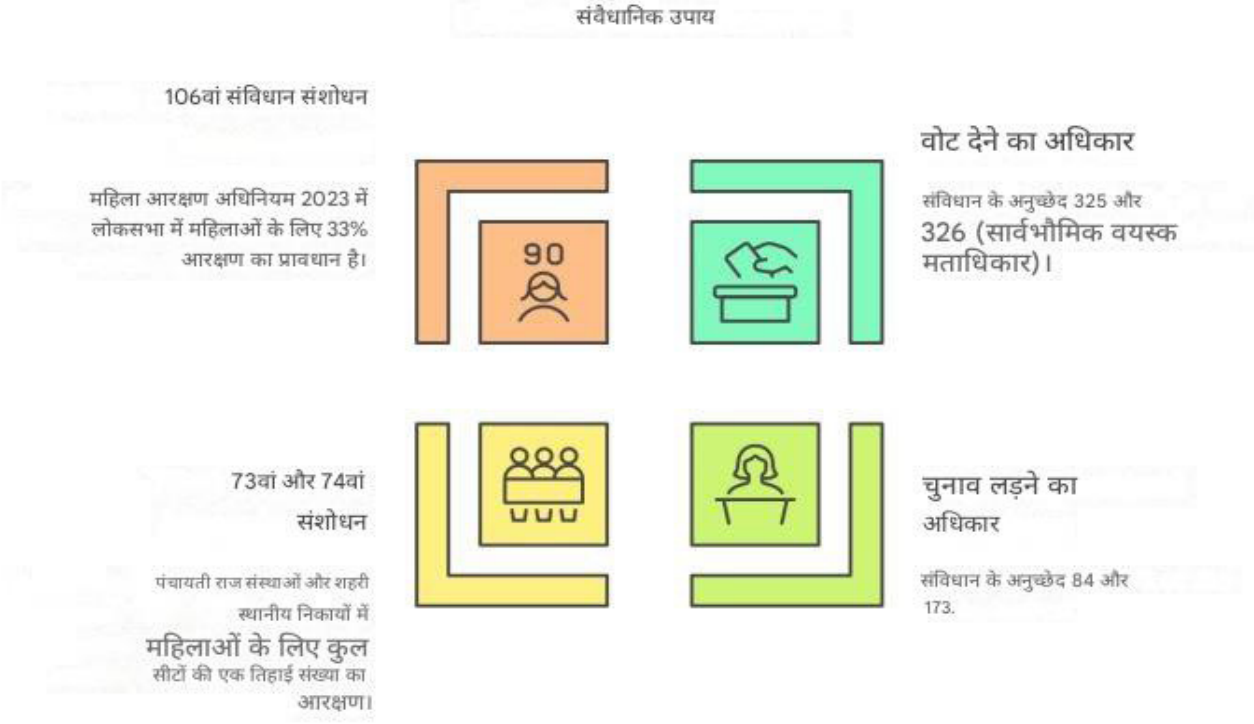

निष्कर्ष

- पिछले दो दशकों से हो रहे शासन के विकेंद्रीकरण ने निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी को मापने के महत्त्व को बढ़ा दिया है।
- महिलाओं के समावेशी विकास के लिए उचित लिंग बजट पहले ही तैयार किया जा चुका है।
- महिलाओं की भागीदारी पर अधिक उत्तरदायी डेटा के साथ, बेहतर लिंग बजट पहल का उद्देश्य देश को लिंग समान समाज की ओर ले जाना है।

Source: TH

मेकिंग अमेरिका ग्रेट अगेन (MAGA) का अमेरिका के बाहर प्रभाव

समाचार में

- डोनाल्ड ट्रम्प की आक्रामक व्यापार नीतियों, विशेषकर उच्च टैरिफ लगाने से वैश्विक आर्थिक परिणाम सामने आए हैं।

ट्रम्प की आर्थिक और व्यापार नीतियों के अंतर्गत प्रमुख घटनाक्रम

- **टैरिफ अधिरोपण एवं व्यापार युद्ध:**
  - चीन, यूरोपीय संघ, कनाडा और मैक्सिको पर टैरिफ लगाए गए, जिसके कारण जवाबी कार्रवाई की गई।
  - वैश्विक आपूर्ति शृंखला, आर्थिक विकास और बाजार स्थिरता प्रभावित हुई।
  - अमेरिकी उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए लागत में वृद्धि हुई, जिससे मुद्रास्फीति के दबाव में वृद्धि हुई।
- **अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के समक्ष चुनौतियाँ:**
  - संयुक्त राष्ट्र और नाटो में संयुक्त राष्ट्र के योगदान को कम किया गया।
  - विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की सदस्यता से हटने के लिए कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए गए।
- **वैश्विक समझौतों से पीछे हटना:**
  - पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को वापस लेने का निर्देश देने वाले कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए - फिर से।
  - ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप (TPP) से बाहर निकल गया, जिससे इंडो-पैसिफिक में व्यापार गठबंधन प्रभावित हुए।
- **U.S. डॉलर और मुद्रास्फीति पर प्रभाव:**
  - उच्च टैरिफ ने घरेलू कीमतों को बढ़ाया, जिससे क्रय शक्ति प्रभावित हुई।
  - व्यापार तनाव के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव आया, जिससे निवेशकों का विश्वास प्रभावित हुआ।
  - कुछ देशों ने वैकल्पिक व्यापार समझौतों की खोज की, जिससे वैश्विक आरक्षित मुद्रा के रूप में U.S. डॉलर की भूमिका के बारे में चिंताएँ बढ़ गईं।

भारत की प्रतिक्रिया

- 2016 से भारत ने आयात शुल्क कम करने के अपने पहले के दृष्टिकोण से हटकर टैरिफ बढ़ाए हैं और संरक्षणवादी उपायों को बढ़ाया है।
- आंतरिक दबाव के बावजूद भारत ने उच्च टैरिफ बनाए रखा, लेकिन अब ट्रम्प की व्यापार नीतियों के जवाब में अपने रुख का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है।
- केंद्रीय बजट ने विभिन्न वस्तुओं पर सीमा शुल्क कम कर दिया है, जो संरक्षणवाद से दूर जाने का संकेत देता है, जिसका उद्देश्य अमेरिका के साथ बेहतर व्यापार संबंध बनाना है।
- औसत सीमा शुल्क 11.66% से घटाकर 10.66% कर दिया गया है।
  - बोरबॉन, हाई-एंड कारों और मोटरसाइकिलों जैसी वस्तुओं पर शुल्क में कटौती मुख्य रूप से वाशिंगटन के लिए है।
- टैरिफ में कटौती का उद्देश्य वैश्विक व्यापार बाधाओं के बढ़ने के साथ भारत की उच्च-टैरिफ अर्थव्यवस्था पर चिंताओं को दूर करना है।

चीन का उपभोग बढ़ाना

- अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध का सामना करने के लिए, चीन ने व्यापक उपभोग वृद्धि योजना प्रारंभ की है, जो 40 वर्षों में सबसे व्यापक नीतियों को चिह्नित करती है।
- इस योजना में श्रमिकों की आय बढ़ाना और निर्यात-संचालित से उपभोग-संचालित अर्थव्यवस्था में स्थानांतरित करने के लिए घरेलू व्यय में सुधार करना शामिल है।
- चीन का लक्ष्य लोगों को व्यय करने में अधिक आश्वस्त बनाना है, सरकार ने लगभग 5% की वृद्धि का लक्ष्य रखा है।
- विश्लेषकों को संभावना है कि अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए 2025 में और प्रोत्साहन दिया जाएगा।

यूरोप का दृष्टिकोण

- यूरोपीय नेता अमेरिका द्वारा रक्षा सहायता वापस लेने की धमकी पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, जर्मनी ने रक्षा व्यय में वृद्धि की है और 500 बिलियन यूरो का बुनियादी ढाँचा कोष स्थापित किया है।
- हालाँकि GDP पर अल्पकालिक प्रभाव अनिश्चित है, लेकिन इन उपायों का उद्देश्य यूरोप की सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।
- कुछ यूरोपीय देश कनाडा के साथ घनिष्ठ संबंधों पर विचार कर रहे हैं, संभवतः कनाडा यूरोपीय संघ में शामिल हो सकता है, क्योंकि ट्रम्प की नीतियों ने कनाडा को दूर धकेल दिया है।

आगे की राह

- **FTAs का विस्तार:** भारत ने पहले ही UAE, ऑस्ट्रेलिया और आसियान देशों के साथ प्रमुख मुक्त व्यापार समझौतों (FTAs) पर हस्ताक्षर किए हैं, और UK, EU और कनाडा के साथ सौदों पर वार्ता कर रहा है।
- **घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना:** इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और हरित ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों का समर्थन करने के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (PLI) योजना का विस्तार किया जाना चाहिए।
- **कृषि और सेवा निर्यात को बढ़ावा देना:** भारतीय कृषि, कपड़ा, IT और फार्मास्यूटिकल्स के लिए वैश्विक बाजारों को मजबूत करना।
- **WTO की भूमिका को मजबूत करना:** भारत को WTO में विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए निष्पक्ष व्यापार नियमों पर बल देना चाहिए।
- **ब्रिक्स और G20 आर्थिक सुधारों का समर्थन करना:** भारत को, एक प्रमुख ब्रिक्स और G20 सदस्य के रूप में, डी-डॉलरीकरण, वैकल्पिक भुगतान तंत्र और स्थायी वित्त पर चर्चा का नेतृत्व करना चाहिए।
- **IMF और विश्व बैंक के मतदान अधिकारों में सुधार:** वित्तीय निर्णय लेने में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के अधिक प्रतिनिधित्व का समर्थन करना।

Source :IE

NBRI ने पिंक बॉलवर्म के प्रति प्रतिरोधी GM कपास विकसित किया

संदर्भ

- लखनऊ स्थित CSIR-NBRI के वैज्ञानिकों ने विश्व का प्रथम आनुवंशिक रूप से संशोधित (GM) कपास विकसित करने का दावा किया है, जो पिंक बॉलवर्म (PBW) के प्रति पूरी तरह प्रतिरोधी है।

परिचय

- भारत में 2002 में GM कपास के क्रियान्वयन के बाद से, मोनसेंटो के साथ संयुक्त रूप से विकसित बोलगार्ड 1 और बोलगार्ड 2 जैसी किस्मों ने कुछ बॉलवर्म प्रजातियों को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया है।
  - हालाँकि, ये किस्में PBW के विरुद्ध मजबूत सुरक्षा नहीं बनाए रख पाई हैं।
- CSIR-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (NBRI) भारत में वनस्पति अनुसंधान और संरक्षण के लिए समर्पित एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान है।

पिंक बॉलवर्म (PBW)

- पिंक बॉलवर्म (PBW), जिसे किसान पिंक बॉलवर्म के नाम से जानते हैं, कपास की फसल को हानि पहुँचाती है, क्योंकि यह अपने लार्वा को कपास के दानों में दबा देती है।
  - इसके परिणामस्वरूप कपास के दाने कट जाते हैं और उन पर दाग लग जाते हैं, जिससे वे उपयोग के लिए अनुपयुक्त हो जाते हैं।
- **प्रसार:** PBW मुख्य रूप से वायु के माध्यम से फैलता है। संक्रमित फसलों के अवशेष, जिन्हें किसान प्रायः ईंधन के रूप में उपयोग करने के लिए खेतों में छोड़ देते हैं, PBW लार्वा को भी आश्रय दे सकते हैं जो भविष्य की फसलों को संक्रमित कर सकते हैं।
- **रोकथाम:** भविष्य में संक्रमण को रोकने के लिए, जिन खेतों में PBW का संक्रमण देखा गया है, उनमें कम से कम एक मौसम के लिए कपास की फसल नहीं लगाई जानी चाहिए।

- किसानों को परामर्श दिया जाती है कि वे अवशेषों को जल्द से जल्द जला दें, और सुनिश्चित करें कि स्वस्थ और अस्वस्थ बीज (या कपास) के बीच कोई मिश्रण न हो।

GM फसलें क्या हैं?

- जिन फसलों के DNA में बदलाव के लिए आनुवंशिक इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, उन्हें आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें कहा जाता है।
  - यह परिवर्तन कीटों या शाकनाशियों के प्रति प्रतिरोध, बेहतर पोषण सामग्री या बढ़ी हुई उपज जैसे वांछनीय लक्षणों को पेश करने के लिए किया जाता है।
- **GM फसलें बनाने की प्रक्रिया में सामान्यत: शामिल हैं:** वांछित लक्षणों की पहचान, जीन का अलगाव, फसल जीनोम में प्रविष्टि और लक्षण की अभिव्यक्ति।
- **GM फसलों में उपयोग की जाने वाली तकनीकें हैं:** जीन गन, इलेक्ट्रोपोरेशन, माइक्रोइंजेक्शन, एग्रोबैक्टीरियम आदि।
- **संशोधन के प्रकार हैं:** ट्रांसजेनिक, सिस-जेनिक, सबजेनिक और मल्टीपल ट्रेट इंटीग्रेशन।
- GM फसलों में मुख्य लक्षण प्रकार शाकनाशी सहिष्णुता (HT), कीट प्रतिरोध (IR), स्टैक्ड लक्षण आदि हैं।

GM फसलों में भारतीय परिदृश्य

- **Bt कॉटन:** 2002 में, GEAC ने Bt कॉटन के व्यावसायिक विमोचन की अनुमति दी थी।
  - Bt कॉटन में मिट्टी के जीवाणु बैसिलस थुरिंजिएंसिस (Bt) के दो विदेशी जीन होते हैं जो फसल को आम कीट पिंक बॉलवर्म के लिए विषाक्त प्रोटीन विकसित करने की अनुमति देते हैं।
  - अब तक, यह एकमात्र GM फसल है जिसे भारत में अनुमति दी गई है।
- GM फसलों की कई किस्में विकास के विभिन्न चरणों में हैं, जैसे Bt बैंगन और DMH-11 सरसों।

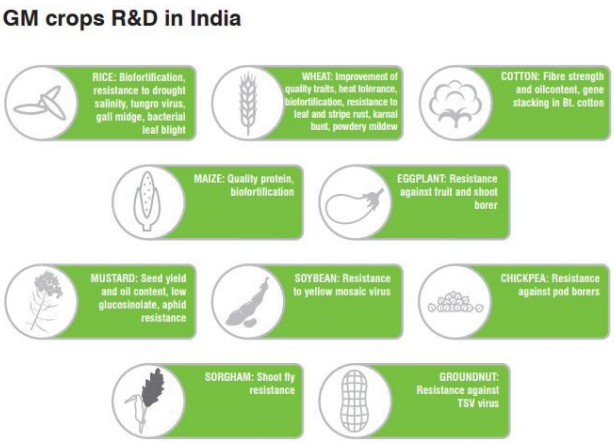

भारत में नियामक ढाँचा

- **जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC):** यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) के अधीन है, जो GM फसलों के वाणिज्यिक विमोचन से संबंधित प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार है। भारत में GM फसलों को विनियमित करने वाले अधिनियम और नियम हैं:
  - पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 (EPA)
  - जैविक विविधता अधिनियम, 2002
  - पादप संगरोध आदेश, 2003
  - विदेश व्यापार नीति के अंतर्गत GM नीति
  - खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006
  - औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम (8वां संशोधन), 1988।

Source: TOI

संक्षिप्त समाचार

रंगपंचमी

संदर्भ

- रंगपंचमी होली के पाँच दिन बाद मनाई जाती है, यह त्यौहार के उत्सवी समापन का प्रतीक है।

परिचय

- "रंग पंचमी" नाम "रंग" से लिया गया है, जिसका अर्थ है रंग, और "पंचमी" का अर्थ है पाँचवाँ दिन।

- इसका उत्सव मुख्य रूप से महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान के कुछ भागों में मनाया जाता है।
- यह वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है और लोग एक-दूसरे पर रंग-बिरंगे पाउडर (गुलाल) फेंककर एवं लगाकर जश्न मनाते हैं।

Source: TOI

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग

समाचार में

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने कथित IPL विज्ञापन दर फिक्सिंग को लेकर प्रमुख वैश्विक विज्ञापन एजेंसियों के कार्यालयों पर व्यापक छापे मारे हैं।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) के बारे में

- **स्थापना:** प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के अंतर्गत 2009 में स्थापित वैधानिक निकाय।
- **मंत्रालय:** यह कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत संचालित एक अर्ध-न्यायिक निकाय है।
- **उद्देश्य:** प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं को रोकना, बाजार में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और बनाए रखना, उपभोक्ता हितों की रक्षा करना तथा भारत के बाजारों में व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना।
- **सदस्य:** इसमें केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त एक अध्यक्ष और 6 सदस्य होते हैं।
- **CCI की शक्तियाँ और कार्य:** प्रतिस्पर्धा-विरोधी समझौतों, कार्टेलाइज़ेशन और प्रभुत्व के दुरुपयोग की जाँच करना।
  - प्रतिस्पर्धा कानूनों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर जुर्माना लगाना।
  - प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने वाले नीतिगत मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह देना।
- **CCI द्वारा संभाले गए प्रमुख मामले:**
  - **Google एंटीट्रस्ट केस (2023):** Android पारिस्थितिकी तंत्र में प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं के लिए Google पर ₹1,338 करोड़ का जुर्माना लगाया गया।
  - **अमेज़न-फ्यूचर ग्रुप मामला:** अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए फ्यूचर कूपन्स में अमेज़न की हिस्सेदारी की जाँच की गई।

CCI के समक्ष चुनौतियाँ

Source: BS

ऑनलाइन एश्योरेंस मॉनिटरिंग सिस्टम (OAMS)

संदर्भ

- केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने हाल ही में सरकारी आश्वासनों के प्रबंधन में ऑनलाइन एश्योरेंस मॉनिटरिंग सिस्टम (OAMS) की भूमिका पर प्रकाश डाला।

परिचय

- यह संसदीय कार्य मंत्रालय (MoPA) द्वारा सरकारी आश्वासनों के प्रबंधन में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए लागू किया गया एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है।
- आश्वासन संसदीय प्रश्नों या बहसों के उत्तर के दौरान मंत्रियों द्वारा दिए गए वादे, वचन या प्रतिबद्धताएँ हैं।
- आश्वासनों को आदर्श रूप से दिए जाने के तीन माह के अन्दर पूरा किया जाना चाहिए।
- संसदीय कार्य मंत्रालय (MoPA) भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 के अंतर्गत आश्वासनों को लागू करने के लिए जिम्मेदार है।

Source: PIB

प्रधानमंत्री युवा लेखक मार्गदर्शन योजना (YUVA)

समाचार में

- शिक्षा मंत्रालय (MoE) और भारत के राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट (NBT) ने प्रधान मंत्री युवा लेखक परामर्श योजना के तीसरे संस्करण का शुभारंभ किया।

पूर्व संस्करण

- युवा 1.0 (मई 2021 में लॉन्च) ने भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह के दौरान पहल की शुरुआत की।
  - इसका विषय भारत का राष्ट्रीय आंदोलन था, जिसमें गुमनाम नायकों, अल्पज्ञात तथ्यों और स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- युवा 2.0 (अक्टूबर 2022 में लॉन्च) लोकतंत्र पर मुख्य विषय के रूप में ध्यान केंद्रित करते हुए युवा 1.0 की नींव पर बना है।
  - इसका उद्देश्य ऐसे युवा लेखकों को विकसित करना था जो भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों, परंपराओं और शासन संरचनाओं का पता लगा सकें।

PM-YUVA 3.0 लॉन्च

- इसका उद्देश्य 30 वर्ष से कम आयु के युवा लेखकों को प्रोत्साहित करना, उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उनके रचनात्मक लेखन कौशल को निखारने के लिए अवसर प्रदान करना है।
- यह अपने पूर्ववर्तियों, युवा 1.0 और युवा 2.0 की सफलता पर आधारित है, जो साहित्यिक प्रतिभा को बढ़ावा देने और भारत में पढ़ने, लिखने एवं पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को जारी रखता है।
- यह तीन विषयों पर केंद्रित है: राष्ट्र निर्माण में प्रवासी भारतीयों का योगदान, भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक भारत के निर्माता (1950-2025)।

महत्त्व

- इस योजना का उद्देश्य युवा लेखकों को तैयार करना है जो भारत के अतीत, वर्तमान और भविष्य के विभिन्न पहलुओं का पता लगा सकें।
- यह महत्त्वाकांक्षी युवाओं को खुद को अभिव्यक्त करने और प्राचीन एवं आधुनिक दोनों क्षेत्रों में भारत के योगदान के बारे में एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान करता है।
- यह योजना एक भारत, श्रेष्ठ भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान के दस्तावेजीकरण और प्रसार को प्रोत्साहित करती है।

Source :PIB

मुक्त भाषण सर्वेक्षण में भारत 24वें स्थान पर

समाचार में

- द फ्यूचर ऑफ फ्री स्पीच द्वारा किए गए एक वैश्विक सर्वेक्षण में मुक्त भाषण के समर्थन के मामले में 33 देशों में भारत को 24वाँ स्थान दिया गया।

सर्वेक्षण के बारे में

- अक्टूबर 2024 में किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि 2021 के बाद से ज़्यादातर देशों में अभिव्यक्ति की आज़ादी के समर्थन में गिरावट देखी गई है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, इज़राइल और जापान जैसे लोकतांत्रिक देशों में सबसे ज़्यादा गिरावट देखी गई है।
- इसमें पाया गया कि अभिव्यक्ति की आज़ादी के लिए अमूर्त समर्थन मज़बूत है, लेकिन विवादास्पद भाषण की रक्षा करने की प्रतिबद्धता वैश्विक स्तर पर कम हो रही है।

मुख्य निष्कर्ष

- नॉर्वे और डेनमार्क क्रमशः 87.9 और 87.0 के स्कोर के साथ मुक्त भाषण सूचकांक के भविष्य में शीर्ष स्थान पर रहे।
- इंडोनेशिया (56.8), मलेशिया (55.4), और पाकिस्तान (57.0) ने सबसे बड़ा सुधार दिखाया, लेकिन रैंकिंग के निम्नतर स्तर पर बने रहे।
- हंगरी (85.5) और वेनेजुएला (81.8) जैसे कुछ सत्तावादी झुकाव वाले देशों ने उच्च स्कोर किया, जो सरकारी प्रतिबंधों और सार्वजनिक दृष्टिकोण के बीच एक विसंगति का सुझाव देता है।

भारत के विशिष्ट निष्कर्ष

- भारत ने 62.6 अंक प्राप्त किए, जो दक्षिण अफ्रीका (66.9) और लेबनान (61.8) के बीच 24वें स्थान पर है।
- अधिकांश भारतीय सरकारी सेंसरशिप के बिना स्वतंत्र रूप से बोलना महत्त्वपूर्ण मानते हैं।
- 37% भारतीयों ने इस विचार का समर्थन किया कि सरकारों को सरकारी नीतियों की आलोचना को रोकने में सक्षम होना चाहिए - सभी सर्वेक्षण किए गए देशों में सबसे अधिक।
  - तुलनात्मक रूप से, UK में केवल 5% और डेनमार्क में 3% ने इस भावना का समर्थन किया।
- भारत, हंगरी और वेनेजुएला के साथ, सामान्य प्रवृत्ति का अपवाद था जहाँ मुक्त भाषण के लिए समर्थन वास्तविक संरक्षण के साथ संरेखित होता है।

भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

- **अनुच्छेद 19(1)(a) :** प्रत्येक भारतीय नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है।
- उच्चतम न्यायालय के निर्णयों के अनुसार, अनुच्छेद 19(1)(a) में निहित 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' में निम्नलिखित शामिल हैं:
  - अपने और दूसरों के विचारों का प्रचार करने का अधिकार।
  - चुप रहने की स्वतंत्रता।
  - प्रेस की स्वतंत्रता।
  - अख़बार पर प्री-सेंसरशिप लगाए जाने के विरुद्ध अधिकार।
  - वाणिज्यिक विज्ञापनों की स्वतंत्रता।
  - टेलीफ़ोन पर बातचीत की टैपिंग के खिलाफ़ अधिकार।
- **प्रतिबंध अनुच्छेद 19(2):** 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' निम्नलिखित आधारों पर राज्य द्वारा उचित प्रतिबंधों के अधीन है:

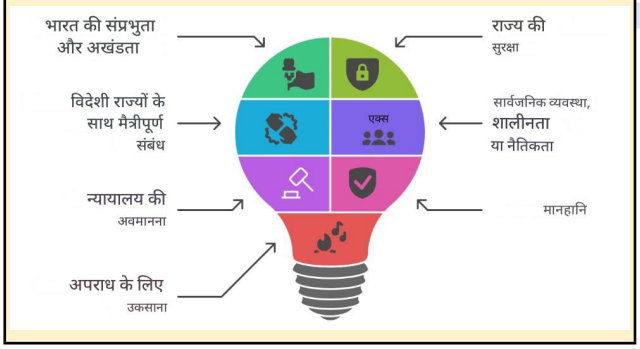

Source: TH

सतत् विकास बनाम पर्यावरण संरक्षण

सन्दर्भ

- सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें ऑरोविले फाउंडेशन को पर्यावरणीय मंजूरी के बिना पुडुचेरी में अपनी टाउनशिप परियोजना पर आगे बढ़ने से रोक दिया गया था।

निर्णय के मुख्य पहलू

- सर्वोच्च न्यायालय ने एहतियाती सिद्धांत और प्रदूषण फैलाने वाले को भुगतान करने के सिद्धांत को भारत के पर्यावरण कानून का हिस्सा माना।
- हालाँकि, इसने निर्णय सुनाया कि स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता) और 21 (जीवन का अधिकार) के अंतर्गत एक गारंटीकृत मौलिक अधिकार है, जबकि औद्योगीकरण के माध्यम से विकास का अधिकार मौलिक अधिकारों के तहत समान रूप से प्राथमिकता का दावा करता है, विशेषकर भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 19 (किसी भी पेशे, व्यवसाय, व्यापार या व्यवसाय में संलग्न होने का अधिकार) और 21 के अंतर्गत
- न्यायालय ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच एक "सुनहरे संतुलन" पर बल दिया।

Source: TH

स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन (NMCG)

समाचार में

- राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) को गंभीर कर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, आयकर विभाग ने उस पर 243.74 करोड़ रुपये का कर मांगा है।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- यह मुद्दा इसलिए उठा क्योंकि 2016 में पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत 'प्राधिकरण' के रूप में अपग्रेड किए जाने के बावजूद, NMCG का PAN एक एसोसिएशन ऑफ पर्सन्स (AOP) के रूप में वर्गीकृत रहा, जिससे आयकर विभाग के सॉफ्टवेयर द्वारा जांच प्रारंभ हो गई, जिसने इसे उच्च आय इकाई के रूप में चिह्नित किया।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG)

- इसे 12 अगस्त 2011 को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था और प्रारंभ में यह राष्ट्रीय गंगा

नदी बेसिन प्राधिकरण (NGRBA) की कार्यान्वयन शाखा के रूप में कार्य करता था।

- हालाँकि, NGRBA को 7 अक्टूबर 2016 को भंग कर दिया गया था, और गंगा के कायाकल्प और संरक्षण की देखरेख के लिए पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम (EPA), 1986 के अंतर्गत राष्ट्रीय गंगा परिषद की स्थापना की गई थी।

संरचना

- यह मिशन राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर पाँच-स्तरीय संरचना के अंतर्गत संचालित होता है।
- इस संरचना में शामिल हैं:
- भारत के माननीय प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय गंगा परिषद।
  - माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प विभाग) की अध्यक्षता में गंगा नदी पर अधिकार प्राप्त टास्क फोर्स (ETF)।
  - स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन (NMCG)।
  - राज्यों में गंगा नदी एवं उसकी सहायक नदियों से सटे प्रत्येक निर्दिष्ट जिले में राज्य गंगा समितियाँ और जिला गंगा समितियाँ।

कार्य

- राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों में प्रदूषण को कम करने के लिए जिम्मेदार है।
- इसका उद्देश्य प्रदूषण को दूर करना, पर्याप्त जल प्रवाह सुनिश्चित करना और गंगा का कायाकल्प करना है।

Source :IE

विश्व का सबसे बड़ा श्वेत हाइड्रोजन भंडार

संदर्भ

- फ्रांस ने मोसेले क्षेत्र में 46 मिलियन टन का विशाल श्वेत हाइड्रोजन भंडार खोजा है, जिसका मूल्य 92 ट्रिलियन डॉलर है।

परिचय

- पृथ्वी की पपड़ी में प्राकृतिक रूप से पाई जाने वाली गैस सफ़ेद हाइड्रोजन, ऊर्जा क्षेत्र में एक अपेक्षाकृत नई खोज है।
- अन्य रूपों - ग्रे, ब्राउन, ब्लू एवं ग्रीन हाइड्रोजन के विपरीत - सफ़ेद हाइड्रोजन को औद्योगिक उत्पादन की आवश्यकता नहीं होती है और यह कार्बन उत्सर्जित नहीं करता है, जिससे यह पर्यावरण की दृष्टि से एक बेहतर ऊर्जा स्रोत बन जाता है।
- इसकी क्षमता बहुत अधिक है, विश्व भर में इसके भंडार पाए जाते हैं, जिनमें अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप शामिल हैं।

हाइड्रोजन का निष्कर्षण

- हाइड्रोजन अन्य तत्वों के साथ संयोजन में उपस्थित है, इसलिए इसे जल (H2O) जैसे प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले यौगिकों से निकाला जाना चाहिए।
- ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों (पवन, सौर, जल विद्युत) का उपयोग इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से किया जाता है - जल को हाइड्रोजन (H2) और ऑक्सीजन (O2) में विभाजित किया जाता है।
  - जब इलेक्ट्रोलिसिस के लिए विद्युत नवीकरणीय स्रोतों से आती है, तो उत्पादित हाइड्रोजन ग्रीन होता है।
- ग्रे हाइड्रोजन स्टीम मीथेन रिफॉर्मिंग (SMR) का उपयोग करके प्राकृतिक गैस से उत्पादित किया जाता है, जो CO2 जारी करता है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान देता है।
- ब्लू हाइड्रोजन में प्राकृतिक गैस का उपयोग करके हाइड्रोजन उत्पादन से CO2 उत्सर्जन को कैप्चर करना और संगृहीत करना शामिल है।

Source: TN

विक्रम और कल्पना: इसरो ने हाई-स्पीड माइक्रोप्रोसेसर विकसित किए

संदर्भ

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और चंडीगढ़ स्थित सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (SCL) ने

संयुक्त रूप से दो अत्याधुनिक 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर, विक्रम 3201 और कल्पना 3201 विकसित किए हैं।

परिचय

- वे दक्षता और प्रदर्शन के लिए अनुकूलित हैं, विशेष रूप से अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
- विक्रम 3201 भारत का पहला प्रथम स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर है जो लॉन्च वाहनों की कठोर परिस्थितियों में उपयोग के लिए योग्य है और यह एक बार में 32 बिट डेटा को संसाधित कर सकता है।
  - यह फ्लोटिंग-पॉइंट कंप्यूटेशन का समर्थन करता है और उच्च-स्तरीय भाषा संगतता प्रदान करता है।
- कल्पना 3201 भी IEEE 1754 इंस्ट्रक्शन सेट आर्किटेक्चर पर आधारित एक 32-बिट SPARC V8 RISC माइक्रोप्रोसेसर है।
  - इसे ओपन-सोर्स सॉफ़्टवेयर टूलसेट के साथ संगत होने के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसे फ़्लाइट सॉफ़्टवेयर के साथ परीक्षण किया गया है, जिससे यह विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए बहुमुखी है।

Source: ISRO

अभ्यास वरुण 2025

संदर्भ

- भारत और फ्रांस के बीच वार्षिक नौसैनिक 'अभ्यास वरुण' का 23वां संस्करण अरब सागर में प्रारंभ हो गया है।

अभ्यास वरुण के बारे में

- इसे भारत और फ्रांस के बीच अंतर-संचालन और परिचालन तालमेल बढ़ाने के लिए 2001 में प्रारंभ किया गया था।
- वरुण 2025 में जल के नीचे, सतह और हवाई संचालन से जुड़े अभ्यास और युद्धाभ्यास की एक शृंखला शामिल है।

अन्य अभ्यास

- **अभ्यास शक्ति:** भारतीय और फ्रांसीसी सेनाएँ
- **अभ्यास गरुड़:** भारतीय वायु सेना (IAF) और फ्रांसीसी वायु और अंतरिक्ष सेना (FASF)।

Source: PIB

■■■■